भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 4627

28 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक

†4627. डॉ. दग्गुबाती पुरंदेश्वरीः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने स्वास्थ्य सुविधाओं में राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) ढांचे को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और एनक्यूएएस प्रमाणन प्राप्त करने वाली सुविधाओं की आंध्र प्रदेश सहित राज्य-वार और जिलावार संख्या कितनी है;

(ख) क्या आन्ध्र प्रदेश सहित राज्यों में उप-जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों जैसी विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य सुविधाओं को शामिल करने में एनक्यूएएस के विस्तार से स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या आन्ध्र प्रदेश सहित इन राज्यों में एनक्यूएएस के अंतर्गत वर्चुअल मूल्यांकन हेतु डिजिटल प्रौद्योगिकी की शुरुआत से अनुपालन में सुगमता आई है और स्वास्थ्य देखभाल सेवा प्रदायगी की दक्षता में वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास जारी हैं कि आंध्र प्रदेश सहित इन राज्यों में एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाएं (आईपीएचएल) एनक्यूएएस मानकों को पूरा करें और यदि हां, तो प्रयोगशाला परीक्षण प्रक्रियाओं की निगरानी और सुधार के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं; और

(ङ) क्या सरकार की यह अपेक्षा है कि एनक्यूएएस के कार्यान्वयन से रोगियों को बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे और स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में जनता का विश्वास बढ़ेगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ङ): भारत सरकार ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों (एनक्यूएएस) को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया है, जो स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा स्थापित एक व्यापक ढांचा है और इसका उद्देश्य जन स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों पर प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करना और उसे बेहतर बनाना है।

आंध्र प्रदेश सहित एनक्यूएएस प्रमाणन प्राप्त करने वाली सुविधा केंद्रों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार संख्या **अनुलग्नक** में दी गई है।

शुरुआत में, मानकों को जिला अस्पतालों के लिए लागू किया गया था, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि जन स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों के माध्यम से प्रदान की जाने वाली सेवाएँ सुरक्षित, रोगी-केंद्रित और सुनिश्चित गुणवत्तापूर्ण हों। इसके बाद, इन मानकों को उप-जिला अस्पतालों (एसडीएच), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी), आयुष्मान आरोग्य मंदिर-शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (एएएम-यूपीएचसी), आयुष्मान आरोग्य मंदिर-प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (एएएम-पीएचसी) और आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप-केंद्रों (एएएम-एसएचसी) तक बढ़ा दिया गया।

स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में निरंतर गुणवत्ता सुधार और अनुपालन में आसानी की संस्कृति को और बढ़ावा देने के लिए डिजिटल तकनीक का लाभ उठाया गया और 28 जून, 2024 को 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर-उप स्वास्थ्य केंद्रों (एएएम-एसएचसी) के राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों (एनक्यूएएस) के प्रमाणन के लिए वर्चुअल मूल्यांकन' शुरू किया गया। वर्चुअल रूप से मूल्यांकन किए गए एएएम-उप केंद्रों में से 10% का स्थल पर मूल्यांकन करके भौतिक रूप से सत्यापन किया जाएगा। इससे अनुपालन में सुविधा हुई है और आंध्र प्रदेश सहित सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा वितरण की दक्षता में वृद्धि हुई है।

आंध्र प्रदेश में, अगस्त 2024 में वर्चुअल सर्टिफिकेशन की शुरुआत के बाद से, कुल 333 एएएम-एसएचसी का वर्चुअल मूल्यांकन किया जा चुका है। इसके अलावा, अगस्त 2024 से पहले 506 एएएम-एसएचसी का भौतिक मूल्यांकन किया जा चुका है।

28 जून, 2024 को एकीकृत जन स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं (आईपीएचएल) के लिए राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) शुरू किए गए, ताकि परीक्षण प्रक्रियाओं और परिणामों की सटीकता और परिशुद्धता बढ़ाई जा सके। इस पहल का समर्थन करने के लिए अगस्त, 2024 में प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम आयोजित किया गया, ताकि राज्य और जिला स्तर के अधिकारियों को प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस किया जा सके। इन उपायों का उद्देश्य सभी आईपीएचएल में सुसंगत गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करते हुए प्रयोगशाला परीक्षण की सटीकता, विश्वसनीयता और दक्षता में सुधार लाना है।

एनक्यूएएस एक ऐसा व्यापक ढांचा प्रदान करता है, जिसका उद्देश्य सेवा प्रावधान, रोगी अधिकार, इनपुट, सहायता सेवाएं, नैदानिक परिचर्या, संक्रमण नियंत्रण, गुणवत्ता प्रबंधन जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करके जन स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में परिचर्या की गुणवत्ता को बढ़ाना है। इससे रोगियों के इलाज में बेहतर परिणाम आते हैं और स्वास्थ्य सेवाओं में जनता का भरोसा बढ़ता है।

अनुलग्नक

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार एनक्यूएएस प्रमाणन प्राप्त सुविधा केंद्रों की संख्या

क्र.सं.	राज्य	कुल एनक्यूएएस प्रमाणित सुविधा केंद्र*
1	दमन और दीव तथा दादरा और नगर हवेली	101
2	चंडीगढ़	25
3	आंध्र प्रदेश	4884
4	पश्चिम बंगाल	3500
5	गोवा	42
6	त्रिपुरा	230
7	ओडिशा	1536
8	गुजरात	1977
9	असम	814
10	पंजाब	595
12	मध्य प्रदेश	1962
11	कर्नाटक	1511
13	तेलंगाना	696
14	तमिलनाडु	1168
15	हरियाणा	381
16	उत्तर प्रदेश	2625
17	सिक्किम	18
18	मिजोरम	34
22	छत्तीसगढ़	497
19	दिल्ली	48
20	राजस्थान	760
21	झारखंड	238
23	मेघालय	44
24	हिमाचल प्रदेश	105
25	पुदुचेरी	6
26	नागालैंड	23
27	मणिपुर	19
28	केरल	271
29	अरुणाचल प्रदेश	13
30	जम्मू एवं कश्मीर	65
31	उत्तराखंड	38
32	लद्दाख	4
33	महाराष्ट्र	91
34	बिहार	43
35	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	0
36	लक्षद्वीप	0
	कुल	**24364**

* 28.02.2025 तक की स्थितिनुसार

****